॥ जय संविधान ॥

प्रतिष्ठा में श्री.....

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट

शपथ

भारत का संविधान "उद्देशिका"

हम, (वंदना साहू एवं सावन कुमार राठौर) भारत को एक संपूर्ण प्रतिष्ठा और अवसर की समता, प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी,पंथ–निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, उपासना की स्वतंत्रता, प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर आज तारीख 23 सितम्बर, 2025 ई. को एतद्वारा इस वैवाहिक बंधन को अंगीकृत करते हुए एक दूसरे को आत्मसात करते हैं।

तारीख 23 सितम्बर, 2025 ई.
को वैवाहिक बंधन

:: विवाह स्थल ::
निज निवास, वार्ड नं 15 पिसनारी बाग, राजघाट रोड- ललितपुर

समयाभाव के कारण निमंत्रण पत्र को ही हमारी उपस्थिति मानकर पधारने की कृपा करें ।

।। आमंत्रण पत्र ।।

स्नेही स्वजन,

एक ऐसा अवसर हमारे आंगन में आया है इसलिए यह स्नेह निमंत्रण आपको भिजवाया है , ...

सौ.कां.वंदना साहू
सुपुत्री– श्रीमति मुन्नी देवी साहू
स्व.श्री जगदीश प्रसाद साहू
निवासी– पिसनारी बाग राजघाट रोड, ललितपुर उ.प्र.

एवं

चि. सावन कुमार राठौर
सुपुत्र–श्रीमति श्यामा बाई राठौर
श्री कृष्ण कुमार राठौर
निवासी– 06, अन्नपूर्णा मार्ग खाचरौद, जिला– उज्जैन म.प्र.

के

पुनर्विवाह उत्सव के इस कार्यक्रम में जो गंधर्व विवाह पद्धति तथा संविधान उद्देशिका की शपथ के माध्यम से परिणय सूत्र में बंधने जा रहे इस शुभ अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

स्वगतोत्सुक–
कोमलचन्द्र, विनोद कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, सचेन्द्र कुमार, शिवम, अंशुल, पीयुष, आयुश, सक्षम, संस्कार, आर्यन एवं समस्त साहू परिवार. .

शुभेच्छु
खुशाल चन्द्र साहू
9451575733

विनयवत– श्रीमति मुन्नी देवी साहू, वार्ड आया, स्वशासी राज्य चिचिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर उ.प्र.

<u>शपथ ग्रहण</u>

वंदना संग सावन कुमार

<u>भारत का संविधान उद्देशिका</u>

हम वंदना साहू भारत को एक संपूर्ण प्रतिष्ठा और अवसर की समता, प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, उपासना की स्वतंत्रता, प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर आज तारीख 23 सितम्बर, 2025 ई० दिन मंगलवार को एतद्वारा इस वैवाहिक बंधन को अंगीकृत करते हुए एक दूसरे को आत्मसात करते हैं।

वन्दना साहू

दि. 23/09/2025

(वंदना साहू)

मुन्नी देवी

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ललितपुर, की अनूठी पहल।

सात फेरे नहीं, बल्कि माताओं की परिक्रमा और सम्विधान की शपथ लेकर हुआ विवाह !

- शादी को दी सादगी और सम्वेदना की एक नई परिभाषा

सावन कुमार व वंदना

ललितपुर ब्यूरो : सदियों पुरानी परम्पराओं की जंजीरें तोड़कर, ललितपुर की धरती पर एक ऐसा विवाह हुआ, जिसे देखकर हर कोई कह उठा..वाह! यह केवल दो इंसानों का मिलन नहीं था, बल्कि 2 परिवारों, 2 सोचों और 1 पीढ़ियों के बीच का एक अद्भुत पुल था, जहाँ एक तरफ दुनिया आज भी दिखावे और आडम्बरों में डूबी है, वहीं वंदना साहू और सावन कुमार ने अपनी शादी को सादगी और सम्वेदना की एक नई परिभाषा दी है।

अग्नि नहीं, मातृत्व की परिक्रमा

शादी का सबसे खूबसूरत पल वह था, जब वर – वधू ने पवित्र अग्नि के फेरे लेने की जगह अपनी- अपनी माताओं के चारों ओर परिक्रमा की। यह सिर्फ एक रस्म नहीं थी, बल्कि अपनी जीवनदायिनी माताओं के प्रति गहरा सम्मान, आभार और प्रेम का प्रतीक था, जब वह अपनी माताओं का हाथ थामकर उनके चारों ओर घूम रहे थे, तब ऐसा लग रहा था मानो वह अपनी माँ के त्याग और निस्वार्थ प्रेम को अपनाकर एक नए जीवन की नींव रख रहे हों। यह दृश्य, इतना हृदयस्पर्शी था कि, वहाँ मौजूद हर किसी की आँखें नम थीं।

मन्त्र नहीं, सम्विधान का संकल्प लिया

इस विवाह में कोई धार्मिक मन्त्र या पण्डित नहीं थे। इसके बजाय, शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने वर-वधू को भारतीय सम्विधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई, उन्होंने समानता, स्वतन्त्रता, न्याय और बन्धुत्व के सिद्धांतों को स्वीकार किया। यह कदम यह साबित करता है कि, उनका रिश्ता किसी धर्म या जाति की रूढ़िवादी मान्यताओं पर नहीं, बल्कि मानवता और आधुनिक विचारों की मजबूत नींव पर टिका है। यह शादी सिर्फ एक विवाह नहीं, बल्कि उन लाखों लोगों के लिए एक सबक है, जो लाखों रुपए खर्च करके सिर्फ दिखावा करते हैं। वंदना साहू व सावन कुमार ने यह साबित कर दिया कि एक रिश्ते की असली खूबसूरती उसके आडम्बरों में नहीं, बल्कि उसमें छिपी हुई सादगी और सम्मान में होती है।

इनका कहना है

इस ट्रस्ट ने न सिर्फ इस शादी को कराया है, बल्कि इसके पहले देहदान, रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर जैसे कई नेक काम किए हैं, ट्रस्ट का यह साबित करने का प्रयास है कि समाज में बदलाव लाने के लिए केवल धन नहीं, बल्कि इच्छशक्ति की जरूरत है।

खुशाल साहू, अध्यक्ष।

भारत
का
संविधान